DECEMBER 2024 **U/ID 30680/ULE3A**

Time : Three hours Maximum : 75 marks

PART A — (10 × 2 = 20 marks)

किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में हों।

1. कबीर गुरु को महान् क्यों मानते हैं?
2. श्रीकृष्ण उद्धव से गोपिकाओं को कैसा संदेश भेजते हैं?
3. तुलसीदास अपने आपको भिखारी कहते हुए कैसे विनती करते हैं?
4. राणा मीरा को क्यों मरवाना चाहते हैं?
5. कवि राधा और कृष्ण की जोड़ी को चिरंजीवि क्यों कहते हैं?
6. तिरुवल्लुवर कृतघ्नता को सबसे बड़ा पाप क्यों मानते हैं?
7. वीरगाथा काल को वह नाम क्यों पड़ा?
8. 'रासो' से तात्पर्य क्या है?
9. ईश्वर के संबंध में ज्ञान मार्गी कवियों का क्या विचार है?

10. प्रेममार्गी शाखा के किन्हीं चार कवियों के नाम गिनाइए।

11. रीतिकाल के लिए प्रयुक्त विभिन्न नामों को बताइए।

12. रीतिकाल के रीतिमुक्त कवियों के नाम बताइए।

PART B — ($5 \times 5 = 25$ marks)

किन्हीं पाँच की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

13. जब मैं था तो गुरु नाहिं अब गुरु हैं हम नाहिं।
प्रेम गली अति सांकरी ता में दो न समाहिं।।

14. सुन्दर स्याम सलोनो गिरिधर नदनंदन आराधै।
जा तन रचि रचि भूषन पहरे भाँति भाँति के साज।
ता तन कहै भस्म चढ़ावत नाहिं न लाज।
घर भीतर नित बसत साँवरो, मोर मुकुट सिर धारे।।

15. जाकै प्रिय न राम वैदेही।
सो छंडिये कोटि बैरि सम, जद्यपि राम सनेही।।
तज्यों चिता प्रह्लाद, विभीषण बंधु भरत महतारी।।
बलि गुरु तज्यो, कत ब्रज बनितनि, भय मृदु मंगलकारी।।

16. तंत्री नाद कवित्त सरस राग रति रंग।
अनबूडे बूडे तरे जे बूड़े सब अंग।।

17. कनक कनक तैं सौ गुनी मादकता अधिकाय।
उहि खाए बौराइ जगु इहिं पायें बौराइ।।

18. सीख सीखने योग्य सब, भ्रम संशय बिन सीख।
कर उसके अनुसार फिर, योग्य आचरण ठीक।।

19. चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों न सनेह गंभीर।
को घटि ये वृषभनुजा को हलधर के बीर।।

PART C — (3 × 10 = 30 marks)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में लिखिए। (1 × 10 = 10)

20. तुलसी के पठित विनय पदों का सारांश लिखिए।

21. तिरुवल्लुवर के पठित कुरलों का मूल्यांकन कीजिए।

किसी एक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में लिखिए। (1 × 10 = 10)

22. ज्ञान भक्ति शाखा की साहित्यिक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

23. रीतिकालीन साहित्यिक पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए।

24. किन्हीं दो कवियों का परिचय दीजिए। $(2 \times 5 = 10)$

(a) चंदबरदाई

(b) विद्यापति

(c) जायसी

(d) बिहारीलाल
